आदिवासियों की हजारों एकड़ जमीन कब्जे में

- राजस्व विभाग में वर्षों से जमे कुछ कर्मचारी कर रहे हेर-फेर

खंडवा, 19 जुलाई. आदिवासियों की जमीन पर कब्जे का खेल खंडवा जिले में नया नहीं है. इसमें दलों में बंटे नेता भी एक हो जाते हैं. राजस्व विभाग के वर्षों से जमे कुछ कर्मचारी भी हेर फेर कर रहे हैं. इन्हें सबका राजस्व रिकार्ड मुख जबानी याद है. अफसर तबादला इसलिए भी नहीं करते. मसाया सोलर प्लांट की जमीन का बड़ा हिस्सा भी इसी खेल का परिणाम है. खंडवा जिले में बने अन्य सोलर प्लांट की जमीन पहले किन आदिवासियों के नाम थी. इसकी परत खुलना भी जरूरी है. जमीनों के बड़े स्टॉल बनाकर माफिया दिल्ली, मुंबई के बड़े लोगों को वर्षों से दे रहे हैं. नियम तो यह है कि आदिवासी को जमीन कई पीढ़ी बाद भी वापस हो सकती है. यहां भी ऐसी कार्रवाई जरूरी है.

राजस्व विभाग में छोटे कर्मचारी वर्षों से जमे हैं. दबाव पड़ने पर अधिकारी इन्हें हल्का बदलकर टेंशन मुक्त कर देते हैं. बाद में ये वहीं आ जाते हैं. तृतीय श्रेणी कर्मचारी भी करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं . इन पर कारवाई कब होगी? चर्चा है कि पिछले कुछ वरिष्ठ अफसरों ने तो आदिवासियों की जमीन नेताओं के दबाव में या अन्य तरीकों से पतली गली निकालकर सामान्य वर्ग के लोगों के नाम कर दीं.

एक बड़ा प्रशासनिक कार्रवाई से जमीन के माफियाओं की सांस फूल गई हैं. उन्हें डर है कि आदिवासियों की जमीन अन्य वर्ग के नाम वाले वर्षों पुराने सारे रिकॉर्ड भी खंगाले गए तो वह भी नहीं बच पाएंगे. कलेक्टर खंडवा ने संभागायुक्त इंदौर की ओर से आदिवासियों की जमीन पर एक सोलर प्लांट लगाने के संबंध में शिकायत पर जांच संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में दल गठित कर कराई. दल द्वारा दिए गए जांच प्रतिवेदन में मसाया सोलर प्लांट के लिए खंडवा जिले के ग्राम धरमपुरी, कनवानी, भावसिंगपुरा, बड़गांव माली तथा ग्राम सिवना में बड़ी संख्या में आदिवासियों की भूमि लेकर इस पर प्लांट स्थापित करने की बात सही पाई गई है.

वर्षों से राजस्व विभाग में लंबा खेल

खंडवा जिला इसलिए चुना जाता है, क्योंकि यहां के लोग ज्यादा आपत्ति नहीं लेते. आश्चर्य की बात है कि इंदिरा सागर में ही खंडवा जिले के 168 गांव और एक बड़ा शहर आसानी से डुबो दिया गया. ओंकारेश्वर के भी काफी गांव इसके शिकार हुए. सोलर प्लांट के आधा दर्जन बड़े हिस्से बिजली वालों की चपेट में है. इससे तुलना की जाए तो नर्मदा पर बन रहे अन्य बांध लोगों ने बनने नहीं दिए. इंदिरा सागर और ओंकारेश्वर बनाते समय भले सरकार की नीति हो, लेकिन खंडवा जिले के लोगों को इससे विशेष फायदा नहीं है, बल्कि यहां के विस्थापित दर-दर भटक रहे हैं. यहां के लिए परियोजनाओं से हुए लाभ का एक निश्चित प्रतिशत इसी क्षेत्र में खर्च किया जाना चाहिए. उसे भी अधिकारी मर्जी के मुताबिक खर्चा कर इतिश्री कर लेते हैं.

आदिवासियों की जमीन छीनी?

कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि शिकायत की जांच से स्पष्ट होता है कि कंपनी द्वारा अनुमति प्राप्त करने के पूर्व ही आदिवासी कृषकों की भूमि पर सोलर प्लांट लगा कर उत्पादन करना शुरू कर दिया है, जो कि वैधानिक रूप से उचित नहीं है. कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि कुछ प्रकरणों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की जमीन कंपनी को अंतरित कर कंपनी द्वारा कब्जा प्राप्त किया गया व सोलर प्लांट लगाया गया, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है. जांच में पाया कि बिना खसरे के नामांतरण के केवल कब्जे के आधार पर कंपनी द्वारा औद्योगिक उपयोग के लिए भूमि का डायवर्जन करवाया गया, जो मप्र भू राजस्व सहिता के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है. कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने जांच के निष्कर्ष बिंदुओं के आधार पर आदेश दिये हैं.

सायबर ठगों के निशाने पर पेंशनधारी

जबलपुर. वर्तमान में सायबर अपराधी बड़ी मात्रा में पेंशन धारको को कॉल कर ऑनलाईन जीवन प्रमाणपत्र अपडेट करने के नाम पर ठग रहे है. पेंशनधारी को विश्वास में लेने के लिये उनका निजी डाटा सायबर ठगों के पास पहले से ही उपलब्ध रहता है जैसे नियुक्ति दिनांक, सेवानिवृत्ति दिनांक, पीपीओ नम्बर आधार नम्बर, स्थायी पता, ईमेल आई डी, बैंक खाता नम्बर एवं नॉमिनी का नाम आदि. वे पेंशनधारकों को कॉल करके यह विश्वास दिलाते है कि वे बैंक, पेंशन कार्यालय से बात कर रहे हैं और जीवन प्रमाण पत्र अपडेट किया जाना है जिसके लिये आपके मोबाईल पर आये ओटीपी की आवश्यकता है. जैसे ही पेंशनधारक ओटीपी साझा करता है.

ऊपरी बर्थ पर रखे बैग से चुराते थे जेवर-नकदी

ट्रेन यात्रियों के दुश्मन बने चोर गैंग का भंडाफोड़

यूपी के 2 शातिर चढ़े जीआरपी के हत्थे

नव भारत न्यूज

इंदौर. ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों के ऊपरी सीटों पर रखे बैगों को काटकर जेवर और नकदी चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए जीआरपी पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने आरोपियों के पास से हजारों रुपए नकद और लाखों के आभूषण बरामद कर लिए हैं. ये आरोपी ट्रेन में आम यात्रियों की तरह सफर करते हुए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे और अगला स्टेशन आते ही फरार हो जाते थे. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है.

घटना 22 फरवरी को घटित हुई थी, जब फरियादी अपने परिवार के साथ कोटा-इंदौर ट्रेन के जनरल कोच में कुम्भराज से इंदौर की यात्रा कर रहा था. ब्यावरा स्टेशन के आसपास किसी ने ऊपर रखे बैग को ब्लेड से काटकर लेडीज पर्स पार कर लिया. उसमें 8,000 की सोने की 'हाय' चूड़ी और 12,000 नगद थे. इसी तरह दूसरी वारदात 4 मई की है. एक महिला यात्री ट्रेन बीना-नागदा पैसेंजर से राधौगढ़ से ब्यावरा की यात्रा कर रही थी. उसके ट्रॉली बैग से एक छोटा लेडीज पर्स चोरी हुआ, जिसमें करीब 91,000 के सोने-चांदी के जेवर रखे थे.

चोरी की वारदातें बढ़ती देख पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर संतोष कोरी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा पाठक सोनी व उप पुलिस अधीक्षक ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में जीआरपी ब्यावरा प्रभारी निरीक्षक गोपाल सिंह कनासिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई.

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम

आरोपी आमतौर पर रात की ट्रेनों में जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को निशाना बनाते थे. खुद को यात्री बताकर वे ऊपरी सीट पर बैठे रहते, बैगों की रेकी करते और यात्रियों के सो जाने के बाद धारदार औजार से बैग काटकर कीमती सामान पार कर लेते. स्टेशन आते ही वे ट्रेन से उतरकर भाग जाते थे.

स्कूल में बच्चों से कराई छत की पुताई

छत के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार

झाबुआ, 19 जुलाई. जिले के एक सरकारी स्कूल में मासूम बच्चों से जान जोखिम में डालकर काम कराने का मामला सामने आया है. प्राथमिक शाला देवझिरी में बच्चों को छत पर चढ़ाकर सीमेंट पुताई करवाई गई, जबकि उसी छत के ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे थे.

स्कूल में मेंटेनेंस और पुताई के लिए हर साल लाखों रुपए का बजट आता है, बावजूद इसके बच्चों से काम करवाना कई सवाल खड़े करता है. तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि बच्चे छत पर काम कर रहे हैं और कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किया गया है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि मेंटेनेंस के नाम पर हर साल फंड आता है, फिर भी मजदूरों की बजाय बच्चों को खतरनाक हालात में काम पर लगाया गया. यह न सिर्फ लापरवाही है बल्कि बच्चों के अधिकारों का भी खुला उल्लंघन है. अब सवाल यह है कि इस घटना की जवाबदेही किसकी है? शिक्षा विभाग को मामले की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई करनी चाहिए.

जंगलों में नक्सलियों से मुठभेड़

बालाघाट,19 जुलाई. जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है.

यह एनकाउंटर लांजी अनुविभाग के घिरी मुरूम-जोना पाठ के घने जंगलों में हुआ, जहां अचानक गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहल उठा. करीब 15 मिनट तक दोनों ओर से जबरदस्त गोलीबारी चली. कोबरा बटालियन और हॉक फोर्स की टीम गश्त पर थी, तभी जंगल में छिपे नक्सलियों से आमना-सामना हो गया. बालाघाट पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ की पुष्टि की है. हालांकि, अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. घटना के बाद से इलाके में सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर है और सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है. पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं.

आरक्षक से तंग पिता-बेटे की मौत

- नागौद थाना पुलिस ने किया आरक्षक को गिरफ्तार
- मृतक के हाथ पर लिखा था आरोपी का नाम

सतना. पुलिस विभाग में पदस्थ एक आरक्षक पिता-पुत्र की मौत की वजह बन गया. दोनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी और दोनों की मौत के बाद पुलिस को सुसाइड नोट मिले.

अब नागौद थाना पुलिस ने आरक्षक को गिरफ्तार करते हुए उसे शुक्रवार को अदालत में पेश कर दिया गया. 16 जुलाई को नीरज बुनकर पिता रामसेवक बुनकर (30) निवासी बिरसिंहपुर थाना सभापुर ने

रिपोर्ट किया था कि सुबह 6.45 बजे खबर मिलने पर वह गया तो देखा कि ससुर खेरवा टोला निवासी सुदामा प्रसाद बुनकर पिता स्व. बाबूलाल बुनकर (48) रामना मैदान नागौद की पार्किंग के पास लगे शीशम के पेड़ पर तौलिया के फंदे से फांसी में झूल रहे हैं. इस रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू की गई थी. नगर परिषद के कर्मचारी सुदामा प्रसाद कोरी की मृत्यु के बाद उसके परिजनों ने हंगामा करते हुए तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की थी. मृतक की हथेली पर आरोपी पुलिस आरक्षक का नाम लिखा था. आरोपी आशीष कोरी निवासी इन्द्रानगर नागौद के विरुद्ध धारा 108 बीएनएस का अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया.

पिता के बाद बेटे को प्रताड़ना

मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि मृतक सुदामा के पिता बाबू लाल कोरी की मौत करीब तीन वर्ष पहले फांसी लगाने से हुई थी, जिसमें आशीष कोरी व एक अन्य के विरुद्ध धारा 306 आईपीसी का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था, जो न्यायालय में चल रहा है.

बस ने परीक्षा देने जा रहे छात्र को मारी टक्कर, हुई मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के खुड़ैल थाना क्षेत्र में सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में परीक्षा देने जा रहे युवक की जान चली गई.

युवक को पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. हादसा खुड़ैल के आठ मील इलाके में हुआ. सोमगुडड़िया गांव का रहने वाला गौरव तंवर पिता लाड़ सिंह तंवर सुबह बाइक से गुजराती कॉलेज में परीक्षा देने जा रहा था. इसी दौरान पीछे से आ रही एक अनियंत्रित बस ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गौरव उछलकर सड़क पर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोट आई. खून अधिक बह जाने से उसकी हालत मौके पर ही नाजुक हो गई. राहगीरों ने तत्काल उसे पास के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई.

प्राइवेट पार्ट में डाली मिर्च, डंडों से 4 दिन तक पीटा

पुलिस पर आदिवासी युवकों के साथ बर्बरता के आरोप

ठेले पर अर्धनग्न हालत में एसपी ऑफिस पहुंचे युवक

छतरपुर, 19 जुलाई. छतरपुर से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां पुलिस पर चोरी के आरोप में पकड़े गए आदिवासी युवकों के साथ जानवरों की तरह पीटने के आरोप लगे हैं.

जिसके बाद शनिवार को ठेले पर 3 अर्धनग्न युवक एसपी कार्यालय पहुंचे और अपनी पीड़ा बताई. बताया जा रहा है कि नौगांव पुलिस ने ट्रांसफार्मर चोरी के संदेह में 3 आदिवासी युवकों को पूछताछ के लिए पकड़ा था. आरोप है कि इस दौरान पुलिस ने 4 दिनों तक उन्हें बेरहमी से पीटा. पैर और हाथ में डंडे से कई बार वार किए गए, यही नहीं, उनके प्राइवेट पार्ट में मिर्च तक डाल दी गई. जिसके बाद भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष और पदाधिकारी एसपी कार्यालय पहुंचे. इस दौरान तीनों युवकों को अर्धनग्न हालत में ठेले पर बैठकर लाया गया. उन्होंने अपनी चोटें भी पुलिस को दिखाई और न्याय की गुहार लगाई.

उन्होंने बताया कि उन्हें इतना मारा गया कि वे ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे हैं. भीम आर्मी ने काफी देर तक विरोध प्रदर्शन किया. जिसके बाद कोतवाली पुलिस ने ज्ञापन लिया और कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. तब कहीं जाकर मामला शांत हुआ.

किसानों ने लावारिस गोवंश पहुंचाया मंडी

पटवारी ने उठाया किसानों और गोवंश की सुरक्षा का मुद्दा

भोपाल,19 जुलाई. मंदसौर जिले के सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में किसानों ने खेतों में नुकसान पहुंचा रहे सैकड़ों लावारिस गोवंशों को एकत्र कर कृषि उपज मंडी परिसर में पहुंचा दिया.

किसानों का कहना है कि गोवंश उनकी फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं. इस मामले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि किसानों ने यह काम किया, जो सरकार को करना था. किसानों ने गायों के लिए चारे और पानी की व्यवस्था भी की.

पटवारी ने कहा कि यह मामला सिर्फ प्रशासनिक

लापरवाही का नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका और गोवंश की उपेक्षा का भी है. उन्होंने सरकार से मांग की कि क्षेत्र में गौशालाओं या संरक्षण केंद्रों की स्थापना की जाए, ताकि गोवंश सड़कों और खेतों में न भटकें. साथ ही किसानों की फसलों के नुकसान का त्वरित सर्वे कर मुआवजा दिए जाने की मांग भी उठाई.

खाट पर सरकार का सिस्टम, सड़क नहीं

दो नवजात बच्चियों को दिया जन्म, एक की हुई मौत

नवभारत न्यूज

चितरंगी, 19 जुलाई. सरकार के विकास के दावे ही एक टोले की दल-दल कच्ची सड़क ने ढोल का पोल खोल दिया है. हुआ यूं था कि एक महिला को प्रसव कराने के लिए खाट के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया.

जहां जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने से प्रदेश सरकार की किरकिरी भी हो रही है. मामला जनपद पंचायत क्षेत्र चितरंगी के ग्राम पंचायत धानी का है. वहीं उक्त मामला बीते दिन शुक्रवार का बताया जा रहा है. कुछ ऐसी ही इस घटना में भी देखने को मिला है. जिले में एंबुलेंस के आने और

जाने का रास्ता न होने की वजह से एक गर्भवती महिला ने घर पर ही दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया, जिनमें से एक बच्ची की कुछ ही घंटे में घर पर ही मौत हो गई. बीते कल दिन शुक्रवार को जब स्थानीय लोगों को इस बात का पता चला तो, उन्होंने महिला को अस्पताल भेजा, महिला को खाट की पालकी बनाकर दो किलोमीटर दूर तक कंधे पर लेकर चलना पड़ा और उसके बाद वहां से ऑटो में बैठकर महिला को पास के अस्पताल पहुंचाया. धानी निवासी बृहस्पति कोल की पत्नी गछ्छ देवी को बीते शुक्रवार की शाम प्रसव पीड़ा हुई और महिला ने घर पर ही दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया, जन्म लेने के बाद कुछ ही घंटे में एक बच्ची की मौत हो गई. कुलदीप ने बताया कि महिला घर पर ही थी और मुझे उसकी हालत ठीक नहीं लगी, तो मैंने पहले खाट पर महिला को सड़क तक लाने के लिए उसके परिजनों को प्रेरित किया.

काम दिलाने का झांसा देकर नाबालिग युवती को बेचा

छिंदवाड़ा. थाना देहात क्षेत्र की नाबालिग युवती को काम दिलाने का झांसा देकर दो लोगों ने उसे दमोह ले जाकर बेच दिया. उक्त मामले में पुलिस ने बेचने वाले और खरीदने वाले 3 लोगों को गिरफ्तार किया है.

पुलिस ने बताया कि जिले में मानव तस्करी करने के मामलों में गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करने के लिए पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने निर्देश दिए है. उक्त मामले में पुलिस गंभीरता से कार्रवाई कर रही है. गुरैया में रहने वाली युवती को बेचने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने गंभीरता से मामले को लेकर नाबालिग युवती को दमोह से बरामद कर उसे छिंदवाड़ा ला लिया. पुलिस ने बताया कि 15 जुलाई को गुरैया निवासी सरला पति प्रताप यादव थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी कि 5 जुलाई की सुबह करीबन 11.00 बजे मेरे घर में गुरैया के रहने वाले रितेश यादव एवं उसकी पत्नि निधि यादव आए और उसे कहने लगे कि तुम्हारी लड़की को खाना बनाने तीन दिन के लिये ले जाना है पहले भी वे लोग मेरी लड़की को खाना के लिए, बनवाने ले गये थे इसलिये मैंने अपनी नाबालिक लड़की को जाने दिया जब तीन दिन तक मेरी लड़की वापस नही आई.

कांवड़ यात्रा के चलते कल स्कूलों में अवकाश

जबलपुर. 21 जुलाई को सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है. जिला शिक्षा अधिकारी ने यह आदेश कांवड़ यात्रा के मद्देनज़र जारी किया है. छुट्टी का निर्णय सरकारी, निजी, सीबीएसई, समेत सभी स्कूलों पर लागू होगा. जारी आदेश में कहा गया है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सड़कों पर भारी भीड़ और जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे स्कूली बच्चों और उनके परिजनों को आवाजाही में परेशानी होती है. इसलिए एहतियातन अवकाश घोषित किया गया है. जबलपुर में कांवड़ यात्रा के दिन लाखों श्रद्धालु नर्मदा से जल लेकर 35 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए खमरिया घाना स्थित शिवालय पहुंचते हैं और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं.

अव्यवस्था | बीमार की डोली कंधों पर, कमर तक गीले होकर स्कूल जाने को मजबूर नौनिहाल

पन्ना जिले के गांवों में विकास के दावे फुस्स

- 200 आबादी वाली दलित बस्ती को सड़क नसीब नहीं
- बारिश के चार माह भोगते हैं काला पानी जैसी सजा

सुरेश पाण्डेय पन्ना

पन्ना, 19 जुलाई. जिले को प्रदेश में यूं ही नहीं पिछड़े जिलों में गिना जाता है. यहां शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देरी से मिलता है.

सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद आज भी पन्ना जिले में कई गांव ऐसे हैं, जो सड़क, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है. एक ऐसा ही मामला जिले की पवई जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत हथकुरी के ग्राम पिपरिया तिवारी का प्रकाश में आया है. जहां 200 लोगों की आबादी वाली दलित बस्ती के रहवासी सड़क मार्ग न होने से नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं. बारिश के चार माह उन्हें काला पानी की सजा जैसी बिताने पड़ते हैं.

गांव में यदि कोई बीमार होता है, तो उन्हें कंधों या डोली के सहारे ही अस्पताल तक जाना पड़ता है. ग्राम की 65 वर्षीय हक्की बाई को उसके परिजनों द्वारा डोली पर बैठा कर अस्पताल इलाज के लिए जाया गया. कई बार शासन प्रशासन से ग्रामीणों के द्वारा पहुंच मार्ग के लिए आवेदन दिया गया, लेकिन आज तक सड़क नहीं मिली. सोचने वाली बात तो यह है कि विकास के लाख दावे करने वाली सरकार एवं जिले के जनप्रतिनिधियों को क्या उन्हें इन ग्रामीणों का दर्द नहीं दिखता. लोगों का कहना है कि ग्रामीणों को सड़क नसीब होगी और कब तक होगी, यह देखने वाली बात है.

तपस्या से कम नहीं विद्यालय पहुंचना

इस बस्ती के एक दर्जन विद्यार्थी बरसात के दिनों में पहुंच मार्ग न होने की वजह से विद्यालय नहीं जा पाते. महिला सुमित्रा वंशकार ने बताया कि गांव में सड़क मार्ग न होने से वाहन न आने के कारण मेरे बीमार पति की मौत भी बीते महीने हो चुकी है. ग्राम की गर्भवती महिलाओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वहीं इस मामले पर जनपद पंचायत सीईओ अखिलेश उपाध्याय का कहना है कि जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करेंगे, ताकि आवागमन हो सके. वर्षा बाद जिला पंचायत में प्रस्ताव रखेंगे और सड़क मार्ग निर्माण की कार्यवाही की जाएगी.

कहर : उफान पर नदी-नाले

नवभारत न्यूज

सीधी 19 जुलाई. जिले में तेज बारिश का कहर से नदी-नाले उफान पर आ गये और सड़कें जमींदोज होने से आवागमन प्रभावित हुआ है.

दो दिन लगातार हुई बारिश से शहर में नदी किनारे मुहल्लों में जलभराव हुआ. ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुलिया जमींदोज होने से आवागमन बंद हो गया. सावन माह के प्रथम ही मानसून के एक्टिव होने से सुबह 5 बजे से लेकर रात करीब 10 बजे तक झमाझम बारिश का दौर चला, जिसके चलते नदी-नाले उफान पर आ गये. वहीं सीधी शहर समेत अन्य क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव होने से लोग काफी परेशान दिखे. सीधी शहर में तो

जलभराव की समस्या सबसे ज्यादा हिरन नदी के तटीय क्षेत्रों में सामने आयी. यहां नदी की भूमि में अतिक्रमण कर मकान बना लेने से जल निकासी को लेकर गंभीर समस्या सामने आयी. अगले दिन फिर से झमाझम बारिश का दौर शुरू होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई. सीधी में हिरन क्षेत्र, मड़वास के कई घरों में भी जल भराव की समस्या गंभीर दिखी.